

प्रश्न 1. डिजिडन अभियान क्या है?

उत्तर. डिजिडन अभियान एक प्रयास है जिसमें सीएससी के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को डिजिटल वित्त से जागरूक करा कर अर्थव्यवस्था की मुख्य धारा से जोड़ना है।

परियोजना के उद्देश्य है:

1. अपने क्षेत्र और पंचायत में जागरूकता सत्र आयोजित कर सीएससी को डिजिटल आर्थिक शिक्षा केंद्र बनाना।
2. ग्रामीण नागरिकों को सरकारी नीतियों और उनके लिए उपलब्ध विभिन्न डिजिटल आर्थिक विकल्पों के बारे में बताना।
3. नागरिकों को आईएमपीएस, यूपीआई, बैंक पीओएस मशीन जैसी विद्युत भुगतान प्रणालियों (ईपीएस) का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना।
4. पंचायत स्तर पर विद्युत भुगतान प्रणाली (ईपीएस) को व्यापारियों और दुकानदारों तक पहुँचाना और उन्हें इस प्रणाली से जोड़ना।
5. कार्यशाला और जागरूकता अभियान आदि से ग्रामीण भारत में जागरूकता पैदा करना।

प्रश्न 2. डीएफआईए या डिजिडन अभियान ही क्यों?

उत्तर. सरकार की हाल की अर्थव्यवस्था नितियों की घोषणा को देखते हुए ग्रामीण इलाकों में डिजिटल आर्थिक साक्षरता की जागरूकता की कमी बहुत बड़ी चुनौती है और इस परियोजना की सफलता के लिए पहला कदम है कि ग्रामीण नागरिकों को डिजिटल वित्त की मूल बातों से अवगत कराया जाए। देश की आर्थिक प्रगति के लिए यह प्रयास अनिवार्य है इसलिए ग्रामीण भारत में मौजूद डिजिटल दूरी को कम किया जाए और डिजिटल आर्थिक साक्षरता के बारे में जागरूकता पैदा की जाए और ग्रामीण नागरिकों तक डिजिटल वित्त की सुविधा मुहैया कराई जाए।

प्रश्न 3. इस परियोजना में किस जनसंख्या वर्ग को लक्षित किया गया है ?

उत्तर. इस परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के अतिसंवेदनशील नागरिकों तक डिजिटल आर्थिक सुविधा को पहुँचाना है, विशेषतौर पर महिलाएं, किसान, अधिकारहीन वर्ग, फेरीवाले, छोटे व्यापारी और कारीगर आदि।

प्रश्न 4. इस योजना का कार्यक्षेत्र क्या है?

उत्तर. इस परियोजना का लक्ष्य भारत के ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में मौजूद 2 लाख सीएससी द्वारा 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी ग्राम पंचायतों (2.5 लाख ग्राम पंचायत) तक पहुँचाना है।

प्रश्न 5. प्रशिक्षण का माध्यम क्या रहेगा? हमें विषय के बारे में और जानकारी दे।

उत्तर. अभियर्थी के ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए एक ऑडियो वीडियो विषय सामग्री को पोर्टल पर उपलब्ध कराया गया है।

प्रश्न 6. प्रशिक्षण की क्या प्रक्रिया होगी?

उत्तर. प्रशिक्षण की प्रक्रिया

1. वीएलई को ऑनलाइन मॉनिटरिंग टूल (ओएमए) पर अभियर्थी को रजिस्टर करना होगा और सत्र के अंत में सत्र की तस्वीरों को भी अपलोड करना होगा।
2. उपलब्ध कराई गई सामग्री जैसे ई-कन्टेन्ट, पैम्फलेट, बैनर आदि से सीएससी केंद्र में सत्र का संचालन करना। (वीएलई समीप की शाखा से पैम्फलेट लेकर सत्र में भाग लेने वालों में वितरित करेंगे)

प्रश्न 7. भुगतान की क्या प्रक्रिया रहेगी?

उत्तर.

- 40 लोगों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित करने के लिए वीएलई को 200 रुपए मिलेंगे।
- नागरिकों के खातों को सक्रिय करने के लिए वीएलई को 10 रुपए मिलेंगे। (औसतन 40 नागरिक)
- ग्राम पंचायत स्तर पर औसतन 10 छोटे व्यापारियों/फेरीवालों/कारीगरों के विद्युत भुगतान प्रणाली खोलने और सक्रिय करने के लिए वीएलई को 100 रुपए मिलेंगे।

प्रश्न 8. यूपीआई क्या है ?

उत्तर. **यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई/UPI)** एक प्रक्रिया है जो विभिन्न बैंक खातों को एक ही मोबाइल एप्लीकेशन से बैंक सुविधाओं जैसे पैसे के लेन-देन (P2P) और व्यापारी/दुकानदार को भुगतान करने के लिए सक्षम बनाता है। नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया ने भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ मिलकर कम नगद (लैस-कैश) और डिजिटल समाज की कल्पना करते हुए यूपीआई को लॉच किया था। यूपीआई को इमीडिएट पेमेंट सिस्टम (आई एम पी एस) प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है।

यूपीआई प्लेटफॉर्म का उपयोग निम्न के लिए किया जा सकता है :

- मोबाइल से 24 घंटे 7 दिन और साल के 365 दिन तुरंत पैसे भेजना।
- विभिन्न बैंक खातों के उपयोग के लिए सिर्फ एक एप्लीकेशन।
- एक क्लिक पर 2 फैक्टर प्रमाणीकरण
- इसमें ग्राहक को कोई कार्ड संख्या या खाता नम्बर या आईएफएससी कोड डालने की आवश्यकता नहीं होती और ग्राहक का वर्चुअल एड्रेस सुरक्षा प्रदान करता है।

- मित्रों के साथ बिल बांटना
- एक ही एप्लीकेशन या इन-एप भुगतान से व्यापारियों या दुकानदारों को भुगतान करना।
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए पुश और पुल भुगतान को नियत करना।
- जनोपयोगी बिल भुगतान, ओवर द काउंटर भुगतान, बारकोड (स्कैन और पे) आधारित भुगतान
- मोबाइल एप से सीधे शिकायत दर्ज करना

प्रश्न 9. क्या यूपीआई द्वारा धन के लेन देन करने से पहले ग्राहक को रजिस्टर करने की आवश्यकता होती है?

उत्तर. हाँ, एक ग्राहक को यूपीआई द्वारा धन के लेन देन से पहले अपना पीएसपी कराना होता है और अपना खाता जोड़ना होता है।

प्रश्न 10. क्या यूपीआई द्वारा पैसे के लेन देन से पहले ग्राहक को लाभार्थी का रजिस्टर करना आवश्यक होता है ? लाभार्थी की कौन सी जानकारी की आवश्यकता होती है?

उत्तर. नहीं, यूपीआई द्वारा पैसे के लेन देन से पहले ग्राहक को लाभार्थी को रजिस्टर करना आवश्यक नहीं होता है क्योंकि धन का स्थानांतरण वर्चुअल आई डी / खाता और आईएफएससी / मोबाइल नम्बर और एमएमआईडी / आधार नम्बर के आधार पर होता है। (एप पर उपलब्ध सुविधाओं के बारे में कृपया अपने पीएसपी और जारी करने वाले बैंक से ज़रूर जाँच कर लें)

प्रश्न 11. क्या यूपीआई में बैंक खाता होना आवश्यक है या इसे किसी कार्ड या वॉलेट से जोड़ा जा सकता है?

उत्तर. यूपीआई को किसी वॉलेट से नहीं जोड़ा जा सकता है, सिर्फ बैंक खातों को ही यूपीआई से जोड़ा जा सकता है।

प्रश्न 12. क्या मैं एक ही मोबाइल फोन में एक से अधिक यूपीआई एप्लीकेशन का उपयोग कर सकता हूँ जो एक से अधिक बैंक से जुड़े हों ?

उत्तर. हाँ, एक मोबाइल फोन पर एक से अधिक यूपीआई एप्लीकेशन का उपयोग किया जा सकता है साथ ही इसे एक या विभिन्न बैंक खातों से भी जोड़ा जा सकता है।

प्रश्न 13. क्या पैसे प्राप्त करने के लिए लाभार्थी को यूपीआई में रजिस्टर करने की आवश्यकता होती है ?

उत्तर. वर्चुअल आईडी ट्रांसेक्शन में लाभार्थी के पास वर्चुअल आईडी होना और यूपीआई में रजिस्टर होना आवश्यक है, लेकिन खाता संख्या और आईएफएससी कोड या मोबाइल नम्बर और

एमएमआईडी, आधार नम्बर की स्थिति में लाभार्थी का यूपीआई में रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक नहीं है। (एप पर उपलब्ध सुविधाओं के बारे में कृपया अपने पीएसपी और जारी करने वाले बैंक से ज़रूर जाँच कर लें)

प्रश्न 14. मेरे मोबाइल फोन के खो जाने पर क्या होगा?

उत्तर. मोबाइल फोन के खो जाने या चोरी होने की स्थिति में ग्राहक को अपना मोबाइल नम्बर तुरंत ब्लॉक करना होता है ताकि उस नम्बर से कोई भी पैसे का लेन देन न हो सके। इसके अलावा एमपिन को भी किसी के साथ साझा न करें।

प्रश्न 15. क्या मैं एक वर्चुअल ऐड्रेस को एक से अधिक बैंक खातों से जोड़ सकता हूँ?

उत्तर. हाँ, पीएसपी विशेष के कार्यात्मकता के अनुसार ग्राहक एक वर्चुअल ऐड्रेस को एक से अधिक बैंक खातों से जोड़ सकते हैं।

प्रश्न 16. यूपीआई द्वारा पैसे के लेन देन को कितने प्रकार से भेजा जा सकता है?

उत्तर. यूपीआई द्वारा पैसे भेजने के विभिन्न प्रकार हैं :

- वर्चुअल आईडी द्वारा
- खाता संख्या और आईएफएससी
- मोबाइल नम्बर और एमएमआईडी
- आधार नम्बर
- वर्चुअल आईडी के आधार पर कलेक्ट/पुल मनी

प्रश्न 17. यदि मेरे खाते से पैसे निकल गए हैं लेकिन ट्रांसेक्शन सफल नहीं हुई, ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए ?

उत्तर. तकनीकी खराबी के कारण ट्रांसेक्शन फेल होने पर यूपीआई रियल टाइम पर पैसे वापिस ग्राहक के खाते में भेज देता है।

प्रश्न 18. यूपीआई द्वारा भेजे गए धन को क्या बीच में रोका जा सकता है?

उत्तर. एक बार पैसे भेजने का अनुरोध यूपीआई द्वारा चला गया हो तब उसे बीच में नहीं रोका जा सकता है।

प्रश्न 19. यूपीआई द्वारा लेन देन से जुड़ी शिकायत को कहाँ दर्ज किया जा सकता है?

उत्तर. आप जिस बैंक की यूपीआई एप का उपयोग कर रहे हैं उसी में आप अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

प्रश्न 20. यूपीआई द्वारा धन के लेन देन की निर्धारित सीमा क्या है?

उत्तर. इस समय यूपीआई द्वारा लेन देन की अधिकतम सीमा 1 लाख रुपए है।

प्रश्न 21. यदि मैं अपना यूपीआई एप बदल देता हूँ तब क्या मुझे फिर से रजिस्टर करना होगा या पुराने वर्चुअल ऐड्रेस से ही काम चल जाएगा?

उत्तर. यूपीआई एप के बदलने पर ग्राहक को पुनः रजिस्टर करना होगा और यह पीएसपी पर निर्भर करता है कि सारी जाँच करने के बाद पुराने वर्चुअल ऐड्रेस का उपयोग हो सकता है या नहीं।

प्रश्न 22. पिन के भूल जाने पर क्या होगा?

उत्तर. यदि ग्राहक अपना एमपिन भूल गए हैं तब उन्हें नया पिन फिर से उत्पन्न करना होगा।

प्रश्न 23. मोबाइल फोन या सिम के बदल जाने पर भी मैं यूपीआई का प्रयोग कर सकता हूँ?

उत्तर. पीएसपी के मोबाइल/सिम/एप्लीकेशन के बदल जाने पर ग्राहक को यूपीआई पर फिर से रजिस्टर करना होगा।

प्रश्न 24. क्या मैं हर प्रकार के मोबाइल फोन में यूपीआई सुविधा का उपयोग कर सकता हूँ ?

उत्तर. जी हाँ, यूपीआई सुविधा एन्ड्रॉइड फोन में उपलब्ध है और जल्द ही इसे आईओएस में भी उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रश्न 25. भुगतानकर्ता द्वारा दी गई एकत्र अनुरोध/क्लेक्ट रिक्वेस्ट के स्वीकृत होने की समय सीमा क्या है ?

उत्तर. एकत्र अनुरोध/क्लेक्ट रिक्वेस्ट के स्वीकृत होने की समय सीमा प्रार्थी द्वारा परिभाषित होती है।

प्रश्न 26. यदि मेरा मोबाइल कोई अन्य व्यक्ति इस्तेमाल करता है तब क्या किसी सुरक्षा का उल्लंघन होगा?

उत्तर. यूपीआई द्वारा किसी भी लेन-देन में, एक पिन की आवश्यकता होती है जिसे मोबाइल में डालकर सुरक्षित लेन देन किया जा सकता है।

प्रश्न 27. यूएसएसडी क्या है ?

उत्तर. अनस्ट्रक्चर्ड स्पलीमेंटरी सर्विस डेटा (यूएसएसडी/USSD), जिसे आम भाषा में क्विक कोड या फीचर कोड नाम से जाना जाता है एक प्रोटोकॉल है जिसे जीएसएम मोबाइल फोन सर्विस प्रदाता के कंप्यूटर से संपर्क करने के लिए उपयोग करता है। यूएसएसडी का उपयोग वैप ब्राउज़िंग, प्रीपेड कॉलबैक सुविधा, मोबाइल धन सुविधा के लिए भी कर सकते हैं। यूएसएसडी संदेश 182 अक्षरांकीय कैरेक्टर या वर्णों का होता है। एसएमएस के विपरित यूएसएसडी संदेश सत्र के दौरान रियल टाइम

कनेक्शन स्थापित करता है। कनेक्शन खुला रहता है और डेटा क्रम का पारस्परिक आदान प्रदान की अनुमति देता है। इस प्रकार यूएसएसडी संदेश एसएमएस से अधिक प्रतिक्रियाशील होता है।

प्रश्न 28. कार्ड और पीओएस भुगतान का वर्णन करें?

उत्तर. कार्ड के उपयोग से कार्ड धारक विद्युत धन स्थानांतरण द्वारा भुगतान करता है। कार्ड के सबसे प्रमुख प्रकार हैं क्रेडिट और डेबिट कार्ड। भुगतान कार्ड सामान्यतः प्लास्टिक का बना होता है और जिसका आकार 85.60 × 53.98 मिमि होता है, और जो ISO/IEC 7810 ID-1 मानक होता है। आमतौर पर कार्ड में ISO/IEC 7810 ID-1 मानकों द्वारा मान्य एक कार्ड नम्बर लिखा होता है।

अधिकतर, कार्ड द्वारा किए गए भुगतान विद्युत द्वारा कार्डधारक के किसी बैंक खाते से जुड़े होते हैं। ये खातें जमा खाता या ऋण खाता कोई भी हो सकता है।

पीओएस: पॉइंट ऑफ सेल

प्रश्न 28. आधार आधारित भुगतान प्रणाली (ईपीएस) क्या है?

उत्तर. आधार आधारित भुगतान प्रणाली (ईपीएस/AEPS) का उद्देश्य बैंक ग्राहक को अपने आधार समर्थित बैंक खाते के इस्तेमाल करने और बैंक से जुड़े विभिन्न लेने-देन करने के लिए सक्षम बनाना है।

प्रश्न 29. क्या एपीबी प्रक्रिया द्वारा प्रदान कराए जा रहे लाभों और सब्सिडि को प्राप्त करने के लिए ग्राहक का बैंक खाता होना आवश्यक है ?

उत्तर. हाँ, एपीबी प्रक्रिया द्वारा प्रदान कराए जा रहे लाभों और सब्सिडि को प्राप्त करने के लिए ग्राहक का बैंक खाता होना आवश्यक है।

प्रश्न 30. आधार आधारित बैंक खाते (ईबीए) के क्या लाभ हैं ?

उत्तर. जब एपीबी प्रक्रिया में भागीदार बैंक का कोई खाता आधार समर्थित बनता है तब खाताधारक सरकारी विभागों और संस्थानों द्वारा प्रदान किए गए लाभों और सब्सिडि को प्राप्त कर सकता है।

प्रश्न 31. आधार पेमेंट ब्रिज (एपीबी / APB) प्रक्रिया कैसे काम करती है ?

उत्तर. आधार पेमेंट ब्रिज (एपीबी / APB) प्रक्रिया एनपीसीआई द्वारा लागू की गई अद्भुत भुगतान प्रक्रिया है। इस में विद्युत प्रक्रिया द्वारा सरकारी लाभों और सब्सिडि को लाभार्थी के आधार आधारित बैंक खाते तक पहुंचाने के लिए आधार नम्बर केंद्रीय भूमिका निभाता है।

प्रश्न 32. ऑटोमैटिड टैलर मशीन क्या है (एटीएम/ATM)?

उत्तर. ऑटोमैटिड टैलर मशीन एक कंप्यूटरीकृत मशीन है जो बैंक के ग्राहकों को बैंक शाखा जाए बिना नगद निकालने और विभिन्न वित्तिय लेन देन की सुविधा उपलब्ध कराती है।

प्रश्न 33. एक एटीएम में किस प्रकार के कार्ड का उपयोग हो सकता है ?

उत्तर. एटीएम में विभिन्न प्रकार के लेन देन के लिए एटीएम कार्ड/डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और प्री पेड कार्ड (जो नगद निकालने के लिए वैध हो) का उपयोग किया जा सकता है।

प्रश्न 34. एटीएम पर उपलब्ध विभिन्न सुविधाएं कौन सी हैं ?

उत्तर. एटीएम से नगद निकालने के साथ साथ कई और भी कार्य किए जा सकते हैं, जिनमें खाते की जानकारी, नगद जमा करना, सामान्य बिलों का भुगतान, मोबाइल के लिए पहले से दिए गए वॉउचर की खरीद, लघु स्टेटमेंट इत्यादि। एक बैंक के एटीएम में उपलब्ध सुविधाएं दूसरे बैंक के एटीएम से भिन्न हो सकती हैं।

प्रश्न 35. पर्सनल आईडेंटिफिकेशन नम्बर क्या है (पिन/PIN)?

उत्तर. पिन, एटीएम या किसी अन्य ऑनलाइन लेन-देन के लिए उपयोग होने वाला अंकीय पासवर्ड है। कार्ड के जारी होने पर बैंक ग्राहक को पिन देता है जो घर पर पोस्ट होती है या बैंक में ही उपलब्ध करा दिया जाता है। ग्राहक को बैंक से मिले पिन को अवश्य बदलना होता है। कई बैंक ग्राहक को नया कार्ड और पिन देते समय ही पिन बदलने की हिदायत देते हैं। पिन को कार्ड या किसी अन्य स्थान पर नहीं लिख कर रखना चाहिए, ऐसा करने से कार्ड के चोरी या खो जाने पर इसके दुरुपयोग से बचा जा सकता है।

प्रश्न 36. कार्ड का पिन भूल जाने या एटीएम में कार्ड के फंस जाने पर ग्राहक को क्या करना चाहिए?

उत्तर. ग्राहक को तुरंत कार्ड जारी करने वाले बैंक से संपर्क कर नए कार्ड को जारी करने के लिए आवेदन करना होगा। कार्ड के किसी भी एटीएम में फंस जाने पर भी नए कार्ड के आवेदन के लिए यही प्रक्रिया रहेगी।

प्रश्न 37. कार्ड के चोरी या खो जाने पर क्या करना चाहिए?

उत्तर. ग्राहक को तुरंत कार्ड जारी करने वाले बैंक से संपर्क करना होगा। बैंक को कार्ड के खो जाने या चोरी होने की सूचना देनी होगी ताकि बैंक कार्ड को तत्काल ब्लॉक या बंद कर सके।

प्रश्न 38. इंटरनेट बैंकिंग के बारे में खास बात क्या है ?

उत्तर. इंटरनेट बैंकिंग वो माध्यम है जिसके द्वारा आप किसी भी जगह से, किसी भी समय अपनी सुविधानुसार बैंक का आसानी से उपयोग कर सकते हैं।

प्रश्न 39. मेरे पास कंप्यूटर या पीसी नहीं है ?

उत्तर. आप ऑनलाइन बैंकिंग का उपयोग किसी भी इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटर द्वारा कर सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि आपका कंप्यूटर मेलवेयर या किसी भी प्रकार के वायरस से मुक्त हो।